संख्या-96/2020/2980/22-2-2019-17(1167)/19

प्रेषक,

सुरेश कुमार पाण्डेय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 ***लखनऊ: दिनांक 17 फरवरी, 2020***

विषय:- केन्द्रीय कारागार, आगरा में निरूद्ध सिद्धदोष बंदी आशू गुप्ता पुत्र श्री ओमप्रकाश गुप्ता, निवासी जनपद-मुजफ्फरनगर की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-33635/प्रोबे0-5-दयायाचिका बैठक-26-09-2019 दिनांक 19.11.2019 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार बन्दी आशू गुप्ता पुत्र श्री ओमप्रकाश गुप्ता, जो महावीरपुरा, कस्वा व थाना-जानसठ, जनपद-मुजफ्फरनगर का रहने वाला है। बंदी द्वारा बच्चे का अपहरण करके फिरौती की रकम 10 लाख वसूलने को लेकर दिनांक 27.11.2003 को 05 सहअभियुक्तों के साथ मिलकर 01 बच्चे हत्या कारित की गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-184/2004 में भा0द0वि0 की धारा-302/34, 364, 201 के अन्तर्गत मा0 अपर सत्र न्यायाधीश, एफ0टी0सी0-प्रथम, मुजफ्फरनगर के आदेश दिनांक 01.02.2007 द्वारा मृत्युदण्ड की सजा के दण्ड से दण्डित किया गया, जिसे मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश दिनांक 22.01.2016 द्वारा मृत्युदण्ड की सजा को लघुकृत करते हुए आजीवन कारावास की सजा में परिवर्तित किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक/जिला मजिस्ट्रेट द्वारा बंदी के भविष्य में अपराध करने का अवसर होने, अपराध करने में अशक्त न होने, बंदी की समयपूर्व रिहाई से पीड़ित परिवार पर प्रतिकूल प्रभाव होने की आख्या अंकित करते हुए बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है। दयायाचिका समिति द्वारा बंदी की आयु-36 वर्ष 06 माह होने, जिला मजिस्टेट एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति न किये जाने तथा कारित अपराध की प्रकृति के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- रिट पिटीसन (क्रिमि0) संख्या-183/2019 आशू गुप्ता बनाम उ0प्र0 राज्य व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा पारित आदेश दिनांक 16.09.2019 के अनुपालन में उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी आशू गुप्ता (बन्दी संख्या-16863) पुत्र श्री ओमप्रकाश गुप्ता, निवासी जनपद-मुजफ्फरनगर की संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई सम्यक् विचारोपरान्त श्री राज्यपाल द्वारा **अस्वीकार** कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,

सुरेश कुमार पाण्डेय
विशेष सचिव।

संख्या-96/2020/2980(1)/22-2-2019 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मुजफ्फरनगर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, आगरा।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग, उ0प्र0 को मा0 मंत्री जी के सूचनार्थ ।
4- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

करूणेश कुमार सिंह
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in